दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

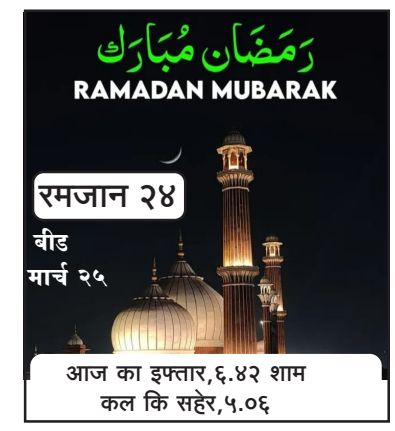

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-२३१ वा | मंगळवार २५ मार्च २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

नागपुर हिंसा : आरोपी फहीम खान के मकान पर चला बुलडोजर, हाईकोर्ट ने आगे की कार्रवाई पर लगाई रोक

न्यायपालिका की सख्त टिप्पणी-ऐसी कार्रवाई पक्षपातपूर्ण और असंवैधानिक

मुंबई, २४ मार्च (अज़ीज़ एजाज़) : नागपुर हिंसा मामले में आरोपी फहीम खान के मकान पर आज दोपहर नगर निगम ने बुलडोजर चलाकर उसे तोड़ दिया। यह कार्रवाई हाईकोर्ट के रोक आदेश से कुछ घंटे पहले की गई। हालांकि, अदालत के निर्देशों के बाद दूसरे आरोपी युसुफ शेख के घर के कथित अवैध हिस्से को तोड़ने की कार्रवाई रोक दी गई।

मुंबई हाईकोर्ट की नागपुर बेंच ने इस तरह की तोड़फोड़ की कार्रवाई को असंवैधानिक और दुर्भावनापूर्ण करार दिया है। न्यायमूर्ति नितिन सांबरे और न्यायमूर्ति वरूषाली जोशी की खंडपीठ ने सुनवाई के दौरान कड़ी नाराज़गी जताई और प्रशासन से सवाल किया कि कथित अवैध निर्माण को गिराने से पहले मकान मालिकों को सुनवाई का अवसर क्यों नहीं दिया गया?

अदालत ने अपने प्रारंभिक अवलोकन में कहा कि यह कार्रवाई जानबूझकर निशाना बनाकर की गई प्रतीत होती है और बुलडोजर ऑपरेशन पक्षपातपूर्ण है। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने इस मामले में आगे की किसी भी तोड़फोड़ पर रोक लगाते हुए महाराष्ट्र के मुख्य सचिव को सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवहेलना के संबंध में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

फहीम खान की ओर से अधिवक्ता अश्विन अंगोले ने पक्ष रखा। उन्होंने मीडिया को बताया कि अदालत ने सरकार और नगर निगम से जवाब मांगा है और अगली सुनवाई १५ अप्रैल को होगी। उन्होंने यह भी बताया कि पीठ ने यह स्पष्ट किया है कि यदि यह तोड़फोड़ गैरकानूनी पाई गई, तो अधिकारियों को हुए नुकसान की भरपाई करनी होगी।

बताया गया है कि आरोपी फहीम खान का घर उसकी मां के नाम पर पंजीकृत है और तोड़फोड़ की कार्रवाई से २४ घंटे पहले नोटिस दिया गया था। आज सुबह १० बजे भारी पुलिस बल की मौजूदगी में नागपुर के महाल इलाके में स्थित फहीम खान के घर पर बुलडोजर चलाकर तोड़फोड़ शुरू की गई। वहीं, यशोधरानगर पुलिस थाना क्षेत्र की संजय बाग कॉलोनी में रहने वाले दूसरे आरोपी युसुफ शेख के घर की बिजली आपूर्ति कंपनी ने बिजली का कनेक्शन काट दिया।

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले में स्पष्ट किया है कि किसी व्यक्ति की संपत्ति को केवल इस आधार पर ध्वस्त करना कि वह किसी आपराधिक मामले में आरोपी है - यह असंवैधानिक है। यह फैसला सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान और मध्यप्रदेश में इस तरह की कार्रवाइयों के खिलाफ दायर याचिकाओं की सुनवाई के बाद दिया था।

हालांकि, इसके बावजूद आज सुबह नागपुर हिंसा के कथित मास्टरमाइंड माने जा रहे फहीम खान के घर पर बुलडोजर चलाया गया। अदालत ने स्पष्ट किया कि ऐसी कार्रवाई असंवैधानिक है और संबंधित प्रशासनिक अधिकारी को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।

बीड शहर में सड़कों की बदहाली पर अजितदादा के मुखौटे लगाकर अनोखा आंदोलन

छलनी हुई सड़कों पर उतरे अजितदादा!

बीड (२४ मार्च):

बीड शहर की सड़कों की स्थिति बेहद खराब हो चुकी है। जगह-जगह जानलेवा गड्ढे पड़ चुके हैं, सड़कों पर उड़ती धूल और बजरी से दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं, और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस मुद्दे पर ध्यान आकर्षित करने के लिए सामाजिक कार्यकर्ता एवं बीड जिला सूचना अधिकार कार्यकर्ता महासंघ, महाराष्ट्र राज्य के मुख्य प्रचार प्रमुख डॉ. गणेश ढवळे लिंबागणेशकर के नेतृत्व में अजितदादा पवार के मुखौटे पहनकर खास अंदाज़ में आंदोलन किया गया।

यह आंदोलन सोमवार, २४ मार्च को कारंजा टॉवर से छत्रपति शिवाजी महाराज चौक होते हुए बीड नगर परिषद कार्यालय तक निकाला गया। आंदोलन के दौरान छलनी हुई सड़कों का निरीक्षण करते हुए राज्य सरकार से तत्काल कदम उठाने की मांग की गई।

आंदोलन में शेख यूनुस, रामनाथ खोड, सुदाम तांदले, मुबीन शेख, शेख मुस्ताक और इंटक बीड जिला अध्यक्ष रामधन जमाले सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल हुए। आंदोलनकारियों ने नगर परिषद बीड की मुख्याधिकारी नीता अंधारे के माध्यम से उपमुख्यमंत्री, वित्त एवं नियोजन मंत्री तथा बीड के संपर्क मंत्री अजितदादा पवार को ज्ञापन सौंपा।

११० करोड़ की सड़कों का प्रस्ताव फंसा लालफीताशाही में

बीड नगर परिषद ने एक वर्ष पहले शहर में ४० फुट चौड़ाई के १७ प्रमुख सड़कों के निर्माण हेतु ११० करोड़ रुपये का प्रस्ताव महाराष्ट्र सुवर्ण जयंती नगरोत्थान महाअभियान के तहत राज्य के नगर विकास विभाग को भेजा था, जो अब तक लालफीताशाही में अटका हुआ है। नगर रोड से पालवन चौक, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर पुतला से संतोषी माता मंदिर, राजुरी वेस से बलभीम चौक होते हुए मालीवेस, बलभीम चौक से दगड़ी पुल, थिगळे कॉम्प्लेक्स से जालना रोड और जिजामाता चौक से मसरतनगर तक कुल १७ प्रमुख सड़कों का समावेश इस प्रस्ताव में है।

इन सड़कों की हालत खस्ताहाल है। छत्रपति शिवाजी महाराज चौक से बशीरगंज तक और कारंजा टॉवर तक के रास्ते पर बड़े-बड़े गड्ढे हैं, जिससे हर दिन वाहन दुर्घटनाएं हो रही हैं। ऐसे में आंदोलनकारियों ने मांग की कि प्रस्ताव को तत्काल मंजूरी देकर आवश्यक निधि जारी की जाए। धुळे-सोलापुर हायवे पर जानलेवा गड्ढे, अधूरे डिवाइडर और खतरनाक सड़कें

शहर के बीच से गुजरने वाले धुळे-सोलापुर राष्ट्रीय महामार्ग पर बार्शी नाका से राष्ट्रवादी भवन तक बड़े-बड़े गड्ढे जानलेवा साबित हो रहे हैं। कई वर्षों से इन गड्ढों की मरम्मत नहीं हुई, जिससे कई लोग अपनी जान गँवा चुके हैं। वहीं, जालना रोड पर डिवाइडर का काम अधूरा है, जहाँ सिर्फ मिट्टी डाल दी गई है। इससे सड़क पार करते समय वाहन फंस रहे हैं और दुर्घटनाएं हो रही हैं। हायवे के किनारे साइड पट्टियाँ न होने से दोपहिया वाहन चालक फिसलकर गिर रहे हैं। आंदोलनकारियों ने इन अधूरे कार्यों को भी तत्काल पूर्ण करने की मांग की।

बीड-अहमदनगर सड़क का काम धीमी गति से, सरकारी कार्यालयों तक पहुंच रही परेशानी

बीड-अहमदनगर मुख्य मार्ग का कार्य भी अत्यंत धीमी गति से चल रहा है। पिछले डेढ़ वर्ष से मात्र दो किलोमीटर मार्ग का कार्य पूरा हुआ है। बालेपीर से छत्रपति शिवाजी महाराज पुतले तक मार्ग बन चुका है, लेकिन बाकी हिस्सों में गड्ढे और जोड़ बने हुए हैं। इस मार्ग पर जिला न्यायालय, समाज कल्याण कार्यालय, जिलाधिकारी कार्यालय, निर्माण विभाग, और अन्य मिलाकर ६६ सरकारी कार्यालय हैं, जहां रोज़ाना भारी भीड़ रहती है। इस मार्ग का कार्य तेजी से पूर्ण किया जाना आवश्यक है।

महात्मा फुले और सावित्रीबाई फुले को मरणोपरांत 'भारत रत्न' देने का प्रस्ताव विधानसभा में सर्वसम्मति से मंजूर

प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा जाएगा

मुंबई (जमीर काज़ी):

क्रांतीसूर्य महात्मा जोतिराव फुले और क्रांतीज्योती सावित्रीबाई फुले को मरणोपरांत भारत रत्न' से सम्मानित करने का प्रस्ताव महाराष्ट्र विधानसभा में सोमवार को सर्वसम्मति से पारित किया गया। यह प्रस्ताव अब केंद्र सरकार को भेजा जाएगा।

यह ऐतिहासिक प्रस्ताव विधानसभा में राज्य के पणन मंत्री जयकुमार रावल ने प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि, महात्मा जोतिराव फुले और सावित्रीबाई फुले ने उपेक्षित और वंचित वर्ग के जीवन में समृद्धि का प्रकाश फैलाया, सामाजिक न्याय के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किया और अस्पृश्यता मिटाने तथा स्त्री शिक्षा के लिए संघर्ष किया। ऐसे दो महान व्यक्तित्वों को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न' से मरणोपरांत सम्मानित किया जाना चाहिए।

जयकुमार रावल ने यह भी बताया कि भारत रत्न' पुरस्कार देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है, जो राजनीति, कला, साहित्य, विज्ञान, उद्योग और समाजसेवा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वालों को दिया जाता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार से यह सिफारिश की जाएगी कि महात्मा फुले और सावित्रीबाई फुले को इस पुरस्कार से सम्मानित किया जाए।

छगन भुजबळ बोले - 'महात्मा' की उपाधि स्वयं में 'भारत रत्न' से बड़ी

विधानसभा में वरिष्ठ विधायक छगन भुजबळ ने इस प्रस्ताव का समर्थन करते हुए कहा, मैं भारत रत्न देने के प्रस्ताव का समर्थन करता हूं, लेकिन यह भी कहना चाहता हूं कि महात्मा' की उपाधि भारत रत्न' से भी बड़ी है। आज़ादी के बाद देश में केवल दो लोगों को महात्मा' की उपाधि मिली है - महात्मा गांधी और महात्मा ज्योतिबा फुले। इसलिए हमें यह भी विचार करना चाहिए कि भारत रत्न' का खिताब देकर हम उनकी ऊंचाई बढ़ा रहे हैं या घटा रहे हैं।

मुख्यमंत्री फडणवीस का जवाब - भारत रत्न से सामाजिक कार्य का होगा सम्मान

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस पर स्पष्ट किया कि महात्मा' एक लोकमान्य उपाधि है और उसका महत्व अपनी जगह है, लेकिन भारत रत्न' एक राजमान्य पुरस्कार है। ऐसे में इस विषय पर अनावश्यक चर्चा करने की आवश्यकता नहीं है। भारत रत्न से महात्मा फुले और सावित्रीबाई फुले के सामाजिक कार्यों का ही सम्मान होगा।

विधानसभा में विपक्ष के नेता की नियुक्ति जल्द की जाए: विजय वडेट्टीवार की मांग

अध्यक्ष को अधिकार है, दो दिन बचे हैं, निर्णय लिया जाए

मुंबई (विशेष प्रतिनिधि):

शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) की ओर से विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष पद के लिए भास्करराव जाधव का नाम प्रस्तावित किया गया है, लेकिन विधानसभा अध्यक्ष द्वारा अब तक नियुक्ति की घोषणा नहीं की गई है। इस मुद्दे को लेकर सोमवार को विपक्ष की ओर से सवाल खड़े किए गए।

कांग्रेस विधायक दल के नेता विजय वडेट्टीवार ने मांग की कि विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति संख्या बल नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक परंपरा के आधार पर होनी चाहिए। चूंकि सत्र के केवल दो दिन शेष हैं, ऐसे में यह नियुक्ति तत्काल की जाए।

विधानसभा की कार्यपद्धति पर बोलते हुए वडेट्टीवार ने कहा कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा था कि सत्ता पक्ष और विपक्ष, विकास की दो पहिए हैं। इनमें से एक पहिया यानी विपक्ष का नेता फिलहाल सदन में मौजूद नहीं है। इसलिए जल्द से जल्द नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति की जानी चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि महाराष्ट्र में परंपरा यह रही है कि नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति केवल संख्या बल के आधार पर नहीं होती है। नई परंपरा की शुरुआत नहीं की जानी चाहिए। महायुती सरकार को विशाल बहुमत मिला है, लेकिन उन्हें संतुलित करने के लिए और राज्य की १४ करोड़ जनता के हक की आवाज उठाने के लिए एक मजबूत विपक्ष आवश्यक है।

वडेट्टीवार ने यह भी कहा कि विधानसभा की कार्यवाही एकतरफा नहीं चलनी चाहिए। सत्र के अंतिम सप्ताह में नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी खाली रखकर कामकाज नहीं होना चाहिए। अध्यक्ष के पास अधिकार है, उन्हें निर्णय लेना चाहिए, ऐसा स्पष्ट बयान उन्होंने दिया।

इस पर विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने आश्वासन दिया कि सदन का कार्य नियमानुसार चलेगा और सभी नियुक्तियाँ भी नियमों के अनुसार ही की जाएंगी।

आमिर खान ने मस्साजोग में सरपंच संतोष देशमुख के परिवार से की मुलाकात, संवेदनाएं व्यक्त कीं

दुख की घड़ी में परिवार के साथ खड़े रहे, बेटे को गले लगाकर दिया सहारा

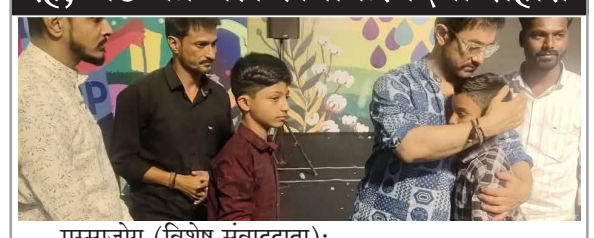

मस्साजोग (विशेष संवाददाता):

बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान ने रविवार को मस्साजोग गांव का दौरा किया और हाल ही में दिवंगत हुए सरपंच संतोष देशमुख के परिवार से मुलाकात की। आमिर खान ने देशमुख के बेटे को गले लगाकर ढांढस बंधाया और परिवारजनों से मिलकर संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने गांव के लोगों से भी बातचीत की और दुख की इस घड़ी में परिवार के साथ समय बिताया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि आमिर खान ने जो किया है, वह आज तक किसी मराठी अभिनेता ने नहीं किया। आमिर ने एक संवेदनशील इंसान के रूप में न केवल शोक संवेदना प्रकट की, बल्कि दुख में डूबे परिवार को समय देकर अपनी संवेदनशीलता और इंसानियत का परिचय दिया। देशमुख परिवार ने भी आमिर खान के इस मानवीय व्यवहार की सराहना की और कहा कि उनके इस gesture ने उन्हें भावनात्मक रूप से बहुत सहारा दिया है। आमिर का यह कदम ग्रामीणों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

सुपारी लेकर अपमान करने वालों को नहीं छोड़ेंगे-देवेंद्र फडणवीस

हम कुणाल कामरा के साथ है-उद्धव ठाकरे

जमीर काज़ी, मुंबई :

स्टैंडअप कॉमेडियन कुणाल कामरा द्वारा महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर की गई व्यंगात्मक कविता के चलते राज्य का राजनीतिक माहौल गरमा गया है। इस मुद्दे की गूंज विधानसभा के ग्रीष्मकालीन अधिवेशन में सुनाई दी। सत्ताधारी शिवसेना के विधायकों ने इस विषय को दोनों सदनों में उठाया और जोरदार हंगामा किया, जिससे विधानसभा और विधानपरिषद की कार्यवाही को कुछ समय के लिए स्थगित करना पड़ा।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस पर सदन में बयान देते हुए कहा कि हम अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान करते हैं, लेकिन यदि कोई सुपारी लेकर हमारे नेताओं का अपमान करेगा तो उसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और उस पर कार्रवाई की जाएगी।

वहीं, इस मुद्दे पर महा विकास अघाड़ी (मविआ) के नेताओं ने कामरा का समर्थन करते हुए सत्ताधारी पक्ष पर तीखा हमला किया। दूसरी ओर, सत्ता पक्ष भी आक्रामक हो गया है और उसने इस मुद्दे पर जोरदार प्रतिकार किया है।

कुणाल कामरा ने खार स्थित यूनिकॉन्टिनेंटल होटल में एक स्टैंडअप शो किया था, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा और ईडी पर व्यंगात्मक टिप्पणी की गई थी। इसके साथ ही उपमुख्यमंत्री का नाम लिए बिना भोली सी सूरत, आंखों में मस्ती गीत की धुन पर व्यंगात्मक कविता पेश की गई। यह कविता सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई, जिसके बाद शिंदे गुट के कार्यकर्ताओं ने रविवार रात होटल जाकर शो के सेट में तोड़फोड़ की। इसके खिलाफ स्थानीय पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई।

इस घटना की गूंज सोमवार को विधानसभा में सुनाई दी। शिंदे गुट के विधायकों ने विधानसभा के प्रवेश द्वार पर नारेबाजी की। विधायक अर्जुन खोतकर ने

सदन में इस घटना की निंदा करते हुए कामरा के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। मंत्री शंभूराज देसाई ने भी इसकी निंदा की, जिसके बाद हंगामे के कारण विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर को कार्यवाही पांच मिनट के लिए स्थगित करनी पड़ी।

बाद में जब कार्यवाही दोबारा शुरू हुई, तो मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस मुद्दे पर स्पष्ट रुख अपनाते हुए कहा कि २०२४ में महाराष्ट्र की जनता ने बता दिया कि असली शिवसेना किसके पास है। उन्होंने कहा कि हम अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के पक्षधर हैं, लेकिन यदि यह स्वतंत्रता उच्छृंखलता की ओर जाती है तो उसे स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि कुणाल कामरा का इतिहास देश के उच्च पदों पर बैठे लोगों के लिए अपमानजनक भाषा का रहा है।

फडणवीस ने कहा, कामरा अगर हमारे खिलाफ कविता करता है या राजनीतिक व्यंग करता है तो हम ताली बजाकर उसका स्वागत करेंगे, लेकिन यदि कोई सुपारी लेकर नेताओं का अपमान करेगा, तो उस पर कड़ी कार्रवाई होगी।

विधान परिषद में भी इस विषय पर जोरदार हंगामा हुआ। भाजपा के सदस्य प्रसाद लाड और प्रवीण दरेकर ने कामरा पर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार करने की मांग की, जबकि ठाकरे गुट के विधायकों ने इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से जुड़ा मामला बताते हुए कामरा का समर्थन किया। इस दौरान हुए हंगामे के चलते परिषद की कार्यवाही तीन बार स्थगित करनी पड़ी। गृह राज्य मंत्री योगेश कदम ने जानकारी दी कि कुणाल कामरा के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और उस पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा है कि स्टैंडअप कॉमेडियन कुणाल कामरा ने कोई व्यंग नहीं किया, बल्कि जो सच था, वही प्रस्तुत किया। इसलिए हम मजबूती से उसके साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि कामरा ने जनता की भावनाएं व्यक्त की हैं और गद्दारी के मुद्दे पर सच्चाई सामने रखी है। उन्होंने आरोप लगाया कि स्टूडियो पर हमला शिवसैनिकों ने नहीं, बल्कि गद्दार शिंदे गुट के कार्यकर्ताओं ने किया है और उनके खिलाफ पुलिस को सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

उद्धव ठाकरे ने कहा, जिस होटल में स्टूडियो की तोड़फोड़ की गई, वहां के कोरटकर और सोलापुरकर जैसे लोग इन गद्दारों को नहीं दिखते। मुख्यमंत्री से कहना चाहता हूं कि न्याय सबके लिए समान होना चाहिए। स्टूडियो को हुए नुकसान की भरपाई की जानी चाहिए। हम अभिव्यक्ति की आज़ादी में विश्वास रखते हैं और खुलकर बोलते हैं। सुपारी वाले बयान पर पलटवार करते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा, आप बार-बार सुपारी की बात करते हैं, लेकिन नागपुर की दंगों की सुपारी किसने दी थी? औरंगजेब की कब्र की सुपारी किसने दी थी? जब राज्य और देश आपके हाथ में है, तो दंगे कैसे हो रहे हैं?

अखिल भारतीय मुस्लिम मराठी साहित्य परिषद का १०वां अधिवेशन २६-२७ अप्रैल को नागपुर में आयोजित होगा

डॉ. एस. एन. पठान बने साहित्य परिषद के दसवें अध्यक्ष, स्वागत समिति के अध्यक्ष डॉ.श्रीयू बाबनराव तायवाडे

सोलापुर (मुहम्मद मुस्लिम कबीर):

अखिल भारतीय मुस्लिम मराठी साहित्य परिषद का १०वां दो दिवसीय अधिवेशन २६ और २७ अप्रैल २०२५ को नागपुर में आयोजित किया जाएगा। इस साहित्यिक महोत्सव के लिए संत तुकड़ोजी महाराज विश्वविद्यालय, नागपुर के पूर्व कुलगुरु डॉ. शहाबुद्दीन नूर मोहम्मद पठान (डॉ. एस. एन. पठान) को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया है। यह जानकारी परिषद के वर्तमान केंद्रीय अध्यक्ष डॉ. अज़ीज़ नदाफ और सचिव अय्यूब नालामंडो ने एक पत्र के माध्यम से दी।

इस अधिवेशन का उद्घाटन सुप्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. रावसाहेब कासबे के हाथों किया जाएगा। स्वागत समिति के अध्यक्ष के रूप में डॉ. श्रीयू बाबनराव तायवाडे को चुना गया है, जबकि प्रोफेसर जावेद पाशा कुरैशी नागपुर कोऑर्डिनेटर की भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर परिषद के उपाध्यक्ष प्रिंसिपल एजाज तंबोली, सचिव अय्यूब नालामंडो, कोषाध्यक्ष हसीब नदाफ, प्रो. डॉ. शकील शेख, मुबारक शेख समेत कई पदाधिकारी उपस्थित थे।

३५वीं वर्षगांठ का संयोग परिषद के सचिव अय्यूब नालामंडो ने बताया कि आज, २४ मार्च २०२५ को परिषद की स्थापना को ३५ वर्ष पूरे हो गए हैं। परिषद की पहली दो दिवसीय साहित्यिक परिषद २४-२५ मार्च १९९० को सोलापुर में आयोजित हुई थी। परिषद की स्थापना डॉ. अज़ीज़ नदाफ, स्व. अब्दुल लतीफ नालामंडो, डॉ. फखरुद्दीन बैनूर, स्व. मीर इसहाक शेख, मुबारक शेख, विश्वासराव फाये, निर्मल कुमार फडकोले द्वारा की गई थी। पहले अधिवेशन की अध्यक्षता प्रो. फकीर महबूब शाहजिंदे ने की थी। इस अवसर पर नागपुर के संत तुकड़ोजी महाराज विश्वविद्यालय के पूर्व कुलगुरु डॉ. एस. एन. पठान का विशेष सम्मान किया गया। परिषद के उपाध्यक्ष प्रिंसिपल एजाज तंबोली, सचिव अय्यूब नालामंडो, और कोषाध्यक्ष हसीब अज़ीज़ नदाफ ने उन्हें शाल, पुष्पगुच्छ और पुस्तकें भेंट कीं। परिषद की ३५वीं वर्षगांठ के अवसर पर केक काटकर समारोह मनाया गया। नागपुर में अधिवेशन की तैयारियां जोरों पर इससे पूर्व परिषद के अधिवेशन सोलापुर, पुणे, मुंबई, रत्नागिरी, कोल्हापुर, नागपुर और नासिक जैसे शहरों में हो चुके हैं। यह १०वां अधिवेशन नागपुर के अजनी रेलवे स्टेशन स्थित विमलताई देशमुख मेमोरियल ऑडिटोरियम, धनवटे नेशनल कॉलेज में होगा।

नागपुर शहर और महाराष्ट्र में अधिवेशन की तैयारियां तेज़ गति से चल रही हैं। परिषद के सफल आयोजन के लिए इंडियन मुस्लिम काउंसिल, फुले-शाहू-अंबेडकर विचार मंच, डॉ. साहा कल्चरल थॉट फोरम और छबी पब्लिकेशन सहयोग कर रहे हैं। परिषद को उम्मीद है कि इस अधिवेशन में राज्यभर से कम से कम १००० साहित्यकार, कवि और लेखक शामिल होंगे। इस अधिवेशन के मंच को नागपुर के प्रसिद्ध लेखक और समीक्षक डॉ. अकबर पठान के नाम से समर्पित किया जाएगा। उद्घाटन सत्र और विशेष कार्यक्रम परिषद के सचिव अय्यूब नालामंडो ने बताया कि अधिवेशन का उद्घाटन डॉ. रावसाहेब कासबे की अध्यक्षता में होगा, जिसमें अनेक विद्वान और साहित्यकार उपस्थित रहेंगे। परिषद के सभी पूर्व अध्यक्ष विशेष अतिथि के रूप में शामिल होंगे और उन्हें सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर परिषद का वार्षिक विशेषांक मराठवाणी, विभिन्न लेखकों की पंद्रह पुस्तकों के संकलन, और हफ्ता रोज़ा कासिद का विशेषांक भी लोकार्पित किया जाएगा। अधिवेशन के दौरान विभिन्न जिलों से आए वक्ता छह सत्रों में विभिन्न साहित्यिक और सामाजिक विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। महिलाओं के लिए विशेष मंच फातिमा की बेटी के नाम से स्थापित किया जाएगा। इसके साथ ही कहानी सुनाने का कार्यक्रम, काव्य संध्या, परिचर्चा और वाद-विवाद जैसे सांस्कृतिक सत्र भी आयोजित किए जाएंगे।

क्या भाजपा गठबंधन महाराष्ट्र को तालिबानी राज्य बनाना चाहता है?-हर्षवर्धन सपकाळ का सरकार पर हमला

मुंबई, २३ मार्च (अज़ीज़ इजाज़):

मशहूर स्टैंडअप कॉमेडियन कुनाल कामरा ने अपने कार्यक्रम में किसी का नाम तक नहीं लिया, फिर भी मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के कार्यकर्ताओं ने अपने ऊपर टिप्पणी मानते हुए तोड़फोड़ की। यह हमला शिंदे गुट से जुड़े कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया, जो स्वयं सत्ताधारी गठबंधन का हिस्सा हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या उन्हें सरकार, संविधान, कानून और गृह विभाग पर भरोसा नहीं है? उन्हें कानून अपने हाथ में लेने की इजाज़त किसने दी?

इन सवालों के साथ महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ ने आज यहां गांधी भवन में पत्रकारों से बात करते हुए राज्य सरकार पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि शिंदे गुट के कार्यकर्ताओं की यह हरकत बेहद निंदनीय है और इससे लगता है कि भाजपा गठबंधन महाराष्ट्र को तालिबानी राज्य बनाना चाहता है।

शिंदे को सरकार और गृह विभाग पर भरोसा नहीं है क्या?

कुनाल कामरा ने नहीं लिया किसी का नाम, फिर भी बवाल क्यों?

हर्षवर्धन सपकाळ ने कहा कि जिस स्टूडियो में कुनाल कामरा का कार्यक्रम हुआ वह उनका निजी स्टूडियो नहीं है, बल्कि एक सांस्कृतिक मंच है जहां सभी विचारधाराओं के लोगों को अपने विचार रखने का अवसर मिलता है। यहां भाजपा नेता आशीष शेलार की सराहना में भी कार्यक्रम हो चुका है।

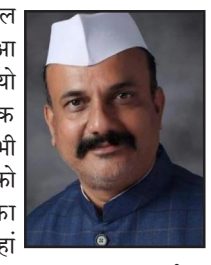

यह स्थान एक स्वतंत्रता सेनानी की संपत्ति है, जिन्होंने देश की आज़ादी तक शादी नहीं की और स्वतंत्रता के बाद विवाह किया। इस स्टूडियो का उद्देश्य मुनाफा कमाना नहीं बल्कि कलाकारों को अभिव्यक्ति का मंच देना है। यहां कई कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया है। ऐसे स्थान पर हमला करना, वास्तव में स्वतंत्रता सेनानी की विरासत पर हमला है।

२५ लाख रुपये का नुकसान, सरकार दे मुआवज़ा

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि इस हमले में स्टूडियो को लगभग २५ लाख रुपये का नुकसान हुआ है, जिसकी भरपाई सरकार को करनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि घटना के दौरान पुलिस मूकदर्शक बनी रही, जो कि अत्यंत चिंता का विषय है।

उन्होंने याद दिलाया कि नागपुर में हुए दंगों के बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दोषियों से नुकसान की भरपाई कराने का ऐलान किया था। तो क्या अब यही नियम एकनाथ शिंदे और उनके दंगाई कार्यकर्ताओं पर भी लागू होगा? इसका जवाब सरकार को देना चाहिए।

जब फहीम खान के घर चला बुलडोजर, तो नितेश राणे के घर कब चलेगा?

हर्षवर्धन सपकाळ ने सवाल उठाया कि नागपुर हिंसा के आरोपी फहीम खान के घर पर तो बुलडोजर चला, लेकिन फडणवीस सरकार के मंत्री नितेश राणे ने भी भड़काऊ बयान दिए हैं। तो क्या अब फडणवीस उनके घर पर भी बुलडोजर चलवाएंगे? यह दोहरा मापदंड क्यों?

कांग्रेस अध्यक्ष ने सरकार से मांग की कि कानून सभी के लिए बराबर होना चाहिए और जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई सरकार को करनी चाहिए, वरना जनता जवाब मांगने सड़क पर उतर सकती है।

शहीद दिवस पर भगत सिंह, राजगुरू, सुखदेव को दी श्रद्धांजलि

वर्धा, २४ मार्च २०२५: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा ने संतृष्टि भोजनालय के प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भगत सिंह, राजगुरू एवं सुखदेव को उनके शहदत दिवस पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि इन महान क्रांतिकारियों ने देश के प्रति अपना बलिदान दिया। हमें अपने भीतर राष्ट्रभक्ति की भावना से उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। २३ मार्च को विश्वविद्यालय के भगत सिंह, राजगुरू एवं सुखदेव छात्रावास की ओर से संयुक्त रूप से शहीद दिवस मनाया गया। इस अवसर पर दीप-दीपन, माल्यार्पण तथा पुष्पांजलि अर्पित कर इन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बलिदान को याद करते हुए उपस्थितों ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. आनन्द पाटील, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. कृपाशंकर चौबे, कुलानुशासक डॉ. राकेश मिश्र, मुख्य छात्रावास अधीक्षक डॉ. मीरा निचळे, भगत सिंह छात्रावास के अधीक्षक डॉ. आम्रपाल शेंदरे, सुखदेव छात्रावास के अधीक्षक डॉ. योगेंद्र बाबू, राजगुरू छात्रावास अधीक्षक डॉ. हिमांशु शेखर सहित डॉ. बालाजी चिरडे, डॉ. के बालराजु, विभिन्न छात्रावासों के अधीक्षक, अध्यापक एवं छात्रावासों के अंतवासी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com